त्रैमासिक परीक्षा 2017-2018

हिन्दी

कक्षा : X

समय : 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

खण्ड 'अ' के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खण्ड 'ब' से किन्हीं चार प्रसंगों के प्रश्नों के उत्तर लिखें। प्रत्येक पुस्तक से एक-एक प्रसंग हल करना अनिवार्य है।

खण्ड 'अ' – भाषा (40 अंक)

1. किसी एक विषय पर संक्षिप्त प्रस्ताव लिखें। **[15]**

(क) किसी पर्वतीय स्थान (Hill Station) की यात्रा का अनुभव लिखिए। इस यात्रा में आपने कौन से दर्शनीय स्थल देखे ? उस स्थान के विषय में कौन-कौन सी नई व रोचक बातें जानीं। विस्तार से इस यात्रा से जुड़ी स्मृतियों का वर्णन करें।

(ख) मनोरंजन जीवन का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। मनोरंजन जीवन की एकरसता (Monotony) को तोड़ता हैं। उसमें उत्साह भरता है। आप किस प्रकार अपना मनोरंजन करना पसंद करते हैं ? किन्हीं दो साधनों का वर्णन करें। उन्हें पसंद करने का कारण भी बताएँ।

(ग) यदि आप समाज सुधारक होते तो जमशेदपुर के समाज में फैली किन दो बुराइयों को दूर करने के लिए प्रयास करते ? इन बुराइयों से समाज को क्या हानि पहुँच रही है, यह बताते हुए बचाव के उपाय भी लिखें।

(घ) 'एक सैनिक की आत्मकथा'

(ङ) 'विनाश काले विपरीत बुद्धि' – इस लोकोक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखें।

2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर पत्र लिखें। **[7]**

(क) किसी स्थानीय समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखकर सड़क पर लावारिस घूमती व कचरा खाती गायों की दशा की ओर नगर-प्रशासन के 'अधिकारी' का ध्यान दिलवाएँ। इन पशुओं के गैर जिम्मेदार मालिकों को पकड़ने व उचित दण्ड देने का अनुरोध भी करें।

(ख) अपने छोटे भाई/बहन को पत्र लिख कर 'व्हाट्सएप' व 'फेसबुक' पर भेजे जाने वाले भ्रामक व झूठे समाचारों/तस्वीरों/वीडियों से सावधान रहने की सलाह दें। इनके प्रसार से समाज में फैलने वाली अशांति की भी चर्चा करें।

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर यथासंभव अपने शब्दों में लिखें –

नारी ईश्वर की एक सुन्दर रचना है। वह ममता, करुणा, त्याग की मूर्ति है। वह 'माँ' है। इसलिए पूजनीया भी है। नारी के गुणों के लिए कहा भी गया है – ''यत्र नार्यस्तु पूजयन्ते, रमन्ते तत्र देवता'' – अर्थात 'जहाँ नारी का सम्मान होता है वहाँ देवताओं का निवास होता है।'

Downloaded From www.icsboard.org

एक समय था जब भारत में नारी का स्थान बहुत ऊँचा था। उसे पुरूष के बराबर अधिकार प्राप्त थे। मंगल व शुभकार्यों में उसकी उपस्थिति अनिवार्य थी। सीता, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, अरुंधती जैसी विदुषी महिलाएँ इसका उदाहरण हैं।

धीरे-धीरे इस स्थिति में बदलाव आने लगा। कहाँ तो पूजनीय देवी और कहाँ पुरुषों की दासी। जी हाँ। स्त्री को पुरुष की दासी मान कर घर की चहार दिवारी में बाँध दिया गया। उसके सारे अधिकार छीन लिए गए। आर्थिक रूप से उसे पति के ऊपर पूरी तरह निर्भर बना दिया गया। इससे उसकी दशा दयनीय हो गई। पर्दाप्रथा, बालविवाह, अनमेल-विवाह, सती प्रथा, दहेज प्रथा जैसी बुराइयों ने स्त्री के अस्तित्व को कुचल कर रख दिया।

समय फिर बदला। और नारी के प्रति समाज का दृष्टिकोण भी बदला। ब्रह्म समाज, आर्य समाज जैसी संस्थाओं ने स्त्रियों की दशा सुधारने का बीड़ा उठाया। ब्रह्मसमाज के संस्थापक राजा राममोहन राय ने सती प्रथा को कानूनी रूप से बंद करवाने में विजय प्राप्त की। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने महिलाओं को शिक्षित करने की दिशा में सफल प्रयास किए।

स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय संविधान में उसे बराबर के अधिकार मिले। इसका श्रेय संविधान रचयिता भीमराव बाबा साहब, अम्बेदकर को जाता है। आज नारी जीवन के हर क्षेत्र में पुरुष के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। वह गृहिणी भी है और कामकाजी महिला भी। वह हर क्षेत्र में आगे ही आगे बढ़ रही है और अपनी योग्यता के झंडे गाड़ रही है।

(क) नारी को 'ईश्वर की सुन्दर रचना' क्यों कहा गया है ? [2]

(ख) प्राचीन काल में नारी की स्थिति कितनी मज़बूत थी ? उदाहरणों से स्पष्ट करें। [2]

(ग) समय के साथ नारी की स्थिति में किस प्रकार की गिरावट आ गई ? उसमें सामाजिक कुप्रथाओं का कितना हाथ था ? [2]

(घ) नारी की दशा सुधारने में किन महापुरुषों का योगदान रहा ? स्पष्ट करें। [2]

(ङ) आज नारी की सामाजिक स्थिति कैसी है ? उसे और बेहतर बनाने के लिए क्या किया जाना चाहिए ? अपने विचार लिखें। [2]

4. (क) किसी एक शब्द के 2 पर्यायवाची लिखें (शब्द उतारें) [1]

अज्ञ, कृषक, इति, उपाय

(ख) किन्हीं दो शब्दों के विलोम लिखें (शब्द उतारें) [1]

अपेक्षा, अपव्ययी, खाद्य, जटिल, खेद

(ग) किन्हीं दो शब्दों के विशेषण लिखें (शब्द उतारें) [1]

उपासना, पिता, बड़प्पन, स्वाद, पूजा

(घ) किन्हीं दो शब्दों के भाववाचक संज्ञा बनाएँ (शब्द उतारें) [1]

दास, पराया, सर्व, रंग, व्यक्ति

Downloaded From www.cbseboard.org

(ङ) किसी एक मुहावरे से वाक्य बनाएँ (मुहावरा उतारें) [1]

उल्टी गंगा बहाना, उंगली उठाना, कान भरना

(च) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन करें – [3]

(i) छह भारत के युवाओं का दल एवरेस्ट फतह करने निकल पड़ा। (वाक्य शुद्धि करें)

(ii) वे देश पर सर्वस्व न्योछावर कर देंगे।
(वाक्य भूतकाल में बदल कर लिखें)

(iii) बीते समय को याद करके रोना उचित नहीं।
(रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखकर वाक्य पुनः लिखें)

खण्ड 'ब' – साहित्य (40 अंक)

साहित्य सागर (गद्य भाग)

5. सेठ मानों आसमान से गिरे। भूखे को अन्न देना सभी का कर्त्तव्य है। उसमें यज्ञ जैसी क्या बात!

(क) 'सेठ' कौन हैं ? उनका पूरा परिचय दीजिए। उनके जीवन में अकस्मात् कौन सी विपदा आ गई ? [3]

(ख) इस विपदा से उबरने के लिए उन्हें किसने क्या उपाय सुझाया ? सेठ ने इस पर क्या सोचा ? [3]

(ग) 'सेठ आसमान से गिरे', क्यों प्रसंग सहित स्पष्ट करें। [2]

(घ) आपके अनुसार सेठ का खाली हाथ घर लौटना कितना उचित था ? कारण सहित लिखें। [2]

6. 'ज्यों ज्यों चुनाव समीप आता, भेड़ों का उल्लास बढ़ता जाता। ज्यों ज्यों चुनाव समीप आता, भेड़ियों का दिल बैठा जाता।

(क) उपर्युक्त गद्यांश में किस चुनाव की चर्चा हो रही? इस चुनाव को 'क्रान्तिकारी' क्यों कहा गया ? [3]

(ख) चुनाव पर भेड़े खुश व भेड़िए निराश थे। क्यों ? समझाएँ। [3]

(ग) बूढ़े सियार ने भेड़िए का 'रूप परिवर्तन' किस प्रकार किया ? और उसे क्या निर्देश दिए ? [2]

(घ) 'कहानी' भेड़ें और भेड़िए 'आज की राजनीति पर व्यंग्य प्रस्तुत करती है। कहानी के आधार पर स्पष्ट करें। [2]

7. इंजीनियर साहब की आँखों से आग बरसने लगी। उन्होंने निर्दयता से रसीला को खूब पीटा फिर घसीटते हुए पुलिस थाने ले गए।

(क) रसीला कौन था ? उसके परिवार में कौन-कौन था ? रमजान के साथ उसका क्या सम्बन्ध था ? [3]

(ख) क्या रसीला आपराधिक चरित्र का व्यक्ति था ? उसने अपने मालिक के पैसे क्यों चुराए ? [3]

(ग) रसीला को अपने अपराध की क्या सज़ा मिली? क्या यह सज़ा उचित थी ? तर्क सहित उत्तर दें। [2]

(घ) 'भारत की न्याय-व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है' इस कथन पर अपने विचार लिखें – उचित उदाहरण भी दें। [2]

Downloaded From www.iseboard.org

8. खीजत जात माखन खात ।
अरूण लोचन, भौंह टेढ़ी, बार-बार जम्हात ।।
कबहुँ रूनझुन चलत घुटरन, धूर धूसर गात ।
कबहुँ झुक के अलक खेंचत, नैन जल भर लात ।।
कबहुँ तुतरे बोल बोलत, कबहुँ बोलत तात ।
'सूर' हरि की निरखि सोभा, निमिख तजत न मात ।।

(क) बालक कृष्ण क्यों खीज रहे हैं ? उनकी शारीरिक दशा कैसी है ? वे क्या करना चाहते हैं ? [3]

(ख) वे किस प्रकार की क्रियाओं से अपनी खीज प्रकट कर रहे हैं ? पद्यांश के आधार पर लिखें। [3]

(ग) माता यशोदा को बालक कृष्ण का यह रूप कैसा लग रहा है ? अपने भावों को वे कैसे प्रकट कर रही हैं? [2]

(घ) महाकवि 'सूरदास' की कृष्ण भक्ति पर एक अनुच्छेद लिखें। [2]

9. ऐसो को उदार जगमाहीं
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं ।।
जो गति जोग विराग जतन करि नहिं पावन मुनि ज्ञानी ।
सो गति देत गीध सबरी कहूँ प्रभु न बहुत जिय जानी ।।
जो सम्पत्ति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्ही ।
सो सम्पदा - विभीषण कहँ अति सकुच सहित प्रभु दीन्ही ।

(क) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने 'किसका' गुणगान किया है ? कवि अपने 'आराध्य' की प्रशंसा किन शब्दों में करते हैं? [3]

(ख) 'गीध' और 'शबरी' कौन थे ? उन्हें कौन सी 'गति' प्राप्त हुई ? [3]

(ग) रावण को अथाह सम्पत्ति किसने प्रदान की थी और क्यों ? [2]

(घ) शब्दार्थ लिखें - उदार, सरिस, सकल, कृपानिधि [2]

10. वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी
ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले पड़, नित सिंधु झूमता है ।
गंगा, यमुना, त्रिवेणी, नदियाँ लहर रही हैं,
जगमग छटा निराली, पग-पग छहर रही हैं।
वह पुण्य भूमि मेरी, वह स्वर्ण भूमि मेरी।

(क) कवि ने भारत वर्ष की प्राकृतिक सम्पदा और सुन्दरता के विषय में क्या कहा ? कविता के आधार पर लिखें। [3]

(ख) भारतवर्ष में अनेक महान विभूतियों ने जन्म लिया है। कविता के आधार पर किन्हीं दो महापुरूषों के योगदान के विषय में लिखें। [3]

(ग) कवि ने भारत को पुण्य भूमि और स्वर्ण भूमि क्यों कहा है ? [2]

(घ) आप स्वयं अपने देश की प्रशंसा किस प्रकार करेंगे ? (कविता के भाव न दोहराएँ) [2]

Downloaded From www.icseboard.org